Literacy for a Billion

Movie: Mr. Natwarlal
Year: 1979

आओ बच्चों
आज तुम्हें एक कहानी
सुनाता हूँ मैं

शेर की कहानी सुनोगे
हूँ

जा मुन्ना

हूँ...
मेरे पास आओ
मेरे दोस्तों
एक क़िस्सा सुनो

मेरे पास आओ
मेरे दोस्तों
एक क़िस्सा सुनो

कई साल पहले की
ये बात है

बोलो ना चुप क्यों हो गए

भयानक अँधेरी
सियाह रात में
लिए अपनी बंदूक
मैं हाथ में

घने जंगलों से गुज़रता हुआ

Song: Mere Pass Aao Mere Doston
Lyricist: Anand Bakshi

कहीं जा रहा था
घने जंगलों से गुज़रता हुआ
कहीं जा रहा था
जा रहा था
नहीं आ रहा था
नहीं जा रहा था

उफ़्फ़ो
आगे भी तो बोलो ना

बताता हूँ बताता हूँ

नहीं भूलती उफ़
वो जंगल की रात
मुझे याद है
वो थी मंगल की रात

चला जा रहा था मैं
डरता हुआ
हनुमान चालीसा
पढ़ता हुआ

बोलो हुनमान की जय
जय जय बजरंग बली की जय
हाँ बोलो हुनमान की जय
जय हो बजरंग बली की जय

घड़ी थी अँधेरा
मगर सख़्त था

कोई दस सवा दस का
बस वक़्त था

लरजता था कोयल की
भी कूक से
बुरा हाल हुआ उसपे
भूख से

लगा तोड़ने बेरी से बेर
मेरे सामने आ गया एक शेर

ओय फिरकी बनके नज़र फिर गई
तो बंदूक भी हाथ से गिर गई

मैं लपटा वो झपटा
मैं ऊपर वो नीचे
वो आगे मैं पीछे
मैं पेड़ पे वो नीचे
अरे बचाओ
अरे बचाओ

मैं डाल डाल
वो पाँत पाँत
मैं पसीना
वो तार तार

मैं सुर में
वो ताल में

ये जंगल पाताल में
बचाओ बचाओ

अरे भागो रे भागो
अरे भागो

फिर क्या हुआ

खुदा की क़सम
मज़ा आ गया
मुझे मारकर
बेसरम खा गया

खा गया
लेकिन आप तो ज़िन्दा हैं

अर ये जीना भी
कोई जीना है लल्लू

ला ला ला ...
हूँ हूँ हूँ ...
ला ला ला ...

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.